संख्या १

सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

बुधवार, तिथि २८ जनवरी, १९५३ ।

Vol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report.

Wednesday, the 28th January, 1953.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,

मूल्य—६ आ०]
Price—As. 6.]

बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि १८ फरवरी, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।
Short Notice Questions and Answers.

सरकारी कर्ज की वसूली।

११। **श्री नवल किशोर सिंह**—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार का ध्यान एक स्थानीय अंग्रेजी दैनिक तिथि, ४ फरवरी, १९५३ में प्रकाशित शीर्षक "रियलाईजेशन आफ गवर्नमेंट लोन्स ; आर्म्ड पुलिस पोस्टेड" समाचार की ओर गया है, यदि हां, तो वहां सशस्त्र सैनिकों को रखने की आवश्यकता क्यों पड़ी है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि पारू और सकरा थानों में गत वर्ष की बाढ़ के कारण स्थिति सोचनीय हो गई और हाल में पड़े ओला के कारण मौजूदा फसलें भी मारी गई हैं ;

(ग) क्या यह बात सही है कि पारू थाने के पश्चिमी गांवों के खेती के लायक जमीन का एक बड़ा हिस्सा नारायणी नदी में कट चुका है और किसानों को न तो खेत है न कोई दूसरा काम ही है ;

(घ) क्या सरकार इन दोनों थानों में से सशस्त्र सैनिकों को हटाकर किसानों को एक साल की मोहलत देना चाहती है ताकि किसानों को सस्ते दर पर अपनी जमीन न बेचनी पड़े, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—(क) जो खबर अखबार में छपी हुई है उसकी ओर सरकार का ध्यान आकर्षित हुआ है। आर्म्ड पुलिस फोर्स केवल जो रुपया जमा होगा उसकी रक्षा करने के लिए पोस्ट किया गया है। जिनसे रुपया वसूल करता है या इसी तरह के दूसरे काम के लिये इस आर्म्ड पुलिस फोर्स की सहायता नहीं ली जाती है।

(ख) इसका उत्तर ना है।

(ग) इसका उत्तर ना है।

(घ) चूंकि उस क्षेत्र में धान की फसल अच्छी हुई है और रब्बी की फसल होने की संभावना है इसलिये कर्ज वसूली को बन्द करने का आदेश देने का विचार सरकार का नहीं है।

श्री गदाधर सिंह—कितनी आर्म्ड पुलिस वहां पर रुपये की रक्षा के लिये रखी गयी है ?

(*d*) The reply is in the affirmative. As the doctors were no getting dearness allowance from the Raj, they are not getting even now.

(*e*) As the doctors employed by the Raj are not Government servants, they are not getting the benefit of dearness allowance.

Shri BINODANAND JHA: Are these hospitals managed by the Revenue Department or the Medical Department?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: They are at the present moment being managed by the Revenue Department.

Shri BINODANAND JHA: Do Government propose to transfer these hospitals to the Medical Department so that medical relief as administered by the Government hospitals may be based on an uniform policy?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: The suggestion of the hon'ble member is welcomed. Government is taking action in this direction.

NUMBER OF DARBHANGA RAJ EMPLOYEES TAKEN IN GOVERNMENT SERVICES UNDER THE ZAMINDARI ABOLITION DEPARTMENT.

*184. Shri BABUAY LAL MAHTO: Will the Minister, in charge of the Revenue Department, be pleased to state—

(*a*) the number od Darbhanga Raj employees who have been displaced from the service due to the vesting of the Raj in the Government under the Land Reforms Act;

(*b*) the number of Darbhanga Raj employees who have been absorbed in Government service under the Zamindari Abolition Department;

(*c*) whether it is a fact that some more employees selected by the district authorities have been kept in the waiting list against further vacancies in the Zamindari abolition Department;

(*d*) whether Government have ascertained the condition of those who have been displaced and are not still employed anywhere;

(*e*) whether Government proposes to employ the affected persons under Zamindari Abolition Department?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: (*a*) The number of Darbhanga Raj employees who have been actually displaced from Raj service due to the vesting of the Raj in the State under the Bihar Land Reforms Act, 1950, has not been reported by the Raj to Government. The Raj, however, furnished a list of employees for absorbing in Government service. The list is as follows:—

Clerks and Muharrirs	188
Amins	22
Tahsildars and Gomastas	20

Patwaris	
Naib Patwaris	305
Peons	239
Brahils	284
Jethraiyats	1,059
	2,004

(*b*) Out of the above employees the following appointment have been made :—

Clerks	
Muharrirs	15
Draftsamn	2
Amin	1
Karmchari	1
Assistant Karmchari	11
Peons	40
Karmchari peons	14
	31

Of the Raj jethraiyats who were willing to work under Government have been appointed. Of the Raj peons who appeared at the interview and test were considered for the post of peons and Karmachari peons and those who were found suitable have been taken in.

(*c*) The reply is in the affirmative.

The list of Darbhanga Raj employees is maintained by the Additional Collector and the Commissioner. The list is consulted whenever any vacancy arises.

(*d*) The reply is in the negative, as there is no necessity of making such enquires.

(*e*) The reply is in the affirmative, provided the affected persons are suitable and there is vacancy suitable to their qualification.

श्री सुखलाल सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि जो नहीं लिये गये वे अयोग्य थे या जगह नहीं थी।

श्री कृष्णवल्लभ सहाय—दोनों वजहें हो सकती है। अगर योग्य भी है और जगह नहीं रहती हो तो नहीं लिये जाते हैं। और जगह रही और अयोग्य हैं तो भी नहीं लिये जा सकते हैं।

कचहरियों में किरानी की बहाली का तरीका।

*२९०। श्री रामसुन्दर तिवारी—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) कलक्टरी कचहरियों में जितने किरानी काम करते हैं बिहार सरकार ने उनकी नियुक्ति का क्या तरीका रखा है ;